जापान के यामानाशी प्रांत ने उत्तर प्रदेश के बौद्ध सर्किट में तलाशे निवेश के अवसर

- *उत्तर प्रदेश और यामानाशी के बीच आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र में निवेश और सहयोग की संभावनाओं पर सफल चर्चा*

लखनऊ, 13 फरवरी 2025:

इन्वेस्ट यूपी के सहयोग से जापान के यामानाशी प्रीफेक्चर, प्रतिनिधिमंडल और उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के बीच आतिथ्य क्षेत्र में सहयोग और निवेश के अवसरों पर एक सफल बैठक और परिचर्चा का आयोजन लखनऊ के ताज होटल किया गया। यामानाशी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व यामानाशी प्रान्त के माननीय उप-राज्यपाल, श्री कोऊ ओसाडा (Ko Osada) ने किया, उनके साथ यामानाशी प्रान्त सरकार के अंतर्राष्ट्रीय रणनीति प्रभाग के निदेशक श्री कोइची फुरुया (Koichi Furuya) और यामानाशी प्रान्त सरकार के सलाहकार श्री नीरेंद्र उपाध्याय भी थे। बैठक में उत्तर प्रदेश के माननीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह के साथ सार्थक बातचीत भी हुई, जिन्होंने दोनों क्षेत्रों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला।

बातचीत के दौरान उत्तर प्रदेश और यामानाशी प्रीफेक्चर ने सांस्कृतिक और आर्थिक सहयोग पर विचार-विमर्श किया, जिसमें दोनों पक्षों ने पर्यटन, सांस्कृतिक संबंधों और विशेष रूप से बौद्ध सर्किट के भीतर विश्व स्तरीय पर्यटन सुविधाओं के विकास को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में निवेश के अवसरों के प्रति गहरी रुचि व्यक्त की, विशेष रूप से भगवान बुद्ध से जुड़े उत्तर प्रदेश के 6 प्रमुख बौद्ध स्थलों को देखते हुए, जो यमनाशी के लिए उसके बड़े बौद्ध अनुयायियों के कारण अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं।

माननीय उप राज्यपाल श्री कोऊ ओसाडा ने उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता की प्रशंसा की, प्रयागराज जैसे पवित्र स्थानों पर प्रकाश डाला, जो वर्तमान में महाकुंभ 2025 की मेजबानी कर रहा है। बौद्ध धर्म की साझा विरासत उत्तर प्रदेश और जापान के बीच एक मजबूत बंधन का काम करती हैं।"

उन्होंने उत्तर प्रदेश की निवेशक-अनुकूल नीतियों, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति 2022 पर प्रकाश डाला, जो राज्य में व्यावसायिक निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए **इन्वेस्ट यूपी** के माध्यम से विभिन्न प्रोत्साहन और सहायता प्रदान करती है। उन्होंने यामानाशी को बुनियादी ढांचे के विकास और आतिथ्य क्षेत्रों में, विशेष रूप से बौद्ध सर्किट के भीतर पर्यटन सुविधाओं के विकास में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया, जबकि राज्य की बेहतर कनेक्टिविटी, विशेष रूप से प्रमुख बौद्ध केंद्रों में से एक कुशीनगर में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की स्थापना की प्रशंसा की, जहां भगवान बुद्ध ने महा परिनिर्वाण प्राप्त किया था।

प्रमुख सचिव, पर्यटन और संस्कृति विभाग, श्री मुकेश कुमार मेश्राम ने बेहतर बुनियादी ढांचे और पर्यटन सुविधाओं के विकास से पर्यटकों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने दोनों क्षेत्रों के टूर ऑपरेटरों के लिए फैम ट्रिप के आयोजन के साथ-साथ नियमित बौद्ध संगोष्ठियों के आयोजन का सुझाव दिया, ताकि दोनों के बीच जागरूकता बढ़ाई जा सके और दोनों क्षेत्रों के बीच पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके। बैठक में विशेष सचिव-पर्यटन (सुश्री ईशा प्रिया), निदेशक-पर्यटन (श्री प्रखर मिश्रा) सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।